



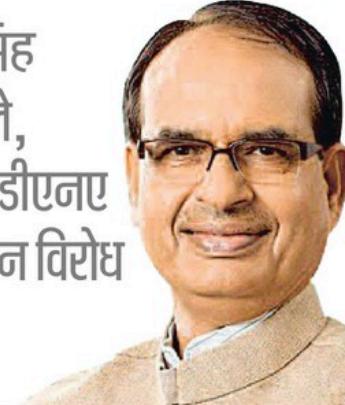
हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शनिवार

3 अगस्त 2024, धनबाद

• पांच प्रदेश • 21 संस्करण

रिवाज सिंह
चौहान बोले,
कांग्रेस के डीएनए
में है किसान विरोध

मिमित मिसाएराको
बालोद पिछा 12 हजार
दासका देयाक बासकिसा

सोबेन मिसी कुर्फ को
सोबेन सिल्हमे गेल
बरहजार टका

हर बहिन के
हर साल
₹12 हजार
खुशी कर उपहार

आवेदन फॉर्म
निःशुल्क

आवेदन जमा करते
समय जल्दी है :-

- आधार कार्ड
- मतदाता पहचान पत्र
- राशन कार्ड
- टंगीन पासपोर्ट साइज फोटो (एक)
- आधार से जुड़ा बैंक खाता का
पासबुक (बैंक खाता एकल
(सिंगल) होना चाहिए)
- जिनका बैंक खाता आधार
से जुड़ा नहीं है वे भी योजना का
लाभ दिसम्बर-2024 तक उग
सकती हैं, उसके पश्चात बैंक खाता
को आधार से जुड़वाना जल्दी है
- पात्रता संबंधी घोषणापत्र



ज्ञानवर्ण मुख्यमंत्री
नंदियां
सम्मान योजना

हर बहना को
हर साल
₹12 हजार

खुशियों का उपहार

3 अगस्त 2024

आज से
शुभारंभ

3 से 10 अगस्त तक विहित प्रपत्र में आवेदन
जमा करने वेतु विशेष कैम्प का आयोजन:

- ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक पंचायत भवन
- शहरी क्षेत्र में संबंधित जिला उपायुक्त द्वारा चयनित केंद्र

विशेष कैम्प के बाद भी आवेदन नजदीकी प्रजा केंद्र में कभी भी जमा किया जा सकता है।

देमन सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

अधिक जानकारी के लिए
1800-890-0215
टोल फ्री नंबर

फॉर्म डाउनलोड करने के लिए
स्कैन करें



<https://www.jharkhand.gov.in/wcd>

हुयमि बहिनर गे
बछद गइनका
12 हजार
खुसमाना गहि भें

सोबेन मिसी को
सोबेन सिरमा गेल
बरहजार टका
ऐआ दसिका देंगा नमोगा



Aquaguard

नल से कपड़ा[#]
हटेगा

तो

सर से कपड़ा
हटेगा



घर लाइए ₹ 6999* में
Aquaguard



RO, RO+UV
और UV वेरियंट में



99.99%
अनदेखे कीटाणुओं
को निकाले



6 लीटर के बड़े
स्टोरेज टैंक के साथ

पानी साफ़

तो हम सेफ़

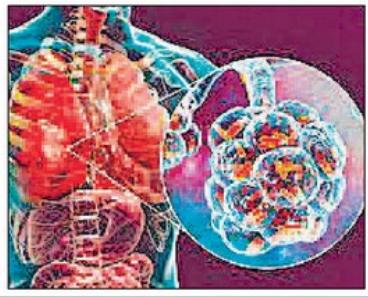
Available at all leading retail outlets: Dhanbad: Parikh Sales – 8825267891, Hersons – 8235288808, Parikh Sales – 9308519080, Raja Electronics – 9431919835, Katras Electronics – 9431324913, Verma Radio Ghar – 9973775799, Bombay Variety Store – 7783032081, Kumar Sales – 9386223212, Chanchal Electronics – 7004041011, Parikh Sales – 7909057361, M/s Sandeep – 7004662479, Gokul Variety – 7909091621, Poddar Digital – 9709238084, Ramsons – 9934341429, Charvik Traders – 8789384887, C S Communications – 9334789210, Geetanjali – 9798280824, Zindal Electronics – 8340752874, Metavision – 9835543585, Debashish – 9661266777, Gayatri Enterprise – 9431190658, Bhakta Brothers – 7004100725, P K Enterprises – 9431188646.

अपना धनबाद

चिंताजनक: केंद्रआडीह का स्लम एरिया बना टीबी का केंद्र

धनबाद, प्रमुख संवाददाता। धनबाद जिला में केंद्रआडीह का अर्बन स्लम एरिया (मलून बस्तियां) टीबी का हॉट स्पॉट बन गया है। जिला में चलाए गए टीबी खोज अधियान के दौरान इस इलाके में सबसे ज्यादा 17 संक्रमित मिले हैं। निरसा को छोड़ जिला के अन्य सभी प्रखंडों में भी टीबी के नए मरीजों की संख्या से यह अधिक है।

जिला यथाक्रम विभाग के आंकड़ों के अनुसार टीबी खोज अधियान के दौरान जिला में टीबी के कुल 117 नए मरीज मिले हैं। इसमें सबसे अधिक मिले हैं। मलून बस्तियों में ज्यादा संक्रमित: स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार



17

नए मरीज इलाके की मलून बस्तियों में सर्वाधिक विहिनत किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की वित्ती बढ़ गई है।

■ शहरी क्षेत्र में भी मिले हैं टीबी के काफी मरीज

■ इलाके के लोगों को जागरूक कर रहा है विभाग

बाकी 18 मरीज अलग-अलग क्षेत्रों में मिले हैं। आंकड़ों के लिए जिला से निरसा प्रखंड में 23 नए संक्रमित मिले हैं।

मलून बस्तियों में ज्यादा संक्रमित: स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार

केंद्रआडीह क्षेत्र की मलून बस्तियों (अर्बन स्लम एरिया) में टीबी के नए मरीज सबसे अधिक मिले हैं। यहां टीबी का पांकट बन रहा है। यहां एक मरीज संक्रमित होता है तो आसपास के कई

लोगों को संक्रमित कर देता है। इसे समाज करने के लिए सभी विहिनत मरीजों की दवा शुरू करा दी गई है। साथ ही इलाके में लोगों को टीबी से जुड़ी जानकारी देकर उन्हें जागरूक

किया गया है। इसलिए मिल है मरीज:

अधिकारियों का मानना है कि कोयला खनन और परिवहन के कारण केंद्रआडीह का इलाका काफी धूलकण भरा रहता है। यहां की मलून बस्तियों में काफी गंदगी होती है। लोगों को पौष्टिक आहार नहीं मिल पाता और वे कृपोषण के शिकार होते हैं। इहां लोग ज्ञापड़ीनुमा घरों में रहते हैं, जिसमें सूरज की रोशनी नहीं आती। हवा आने जाने की भी व्यापक व्यवस्था नहीं है। इन कारणों से इस क्षेत्र के लोग आसानी से टीबी के संक्रमित की चेपें में आकर संक्रमित हो रहे हैं।

डैकैती का विरोध करने पर अपराधियोंने की रिटायर माइनिंग सरदार से मारपीट तेतुलमारी में रिटायर बीसीसीएल कर्मी के घर 11 लाख का डाका

सिजुआ, प्रतिनिधि। सशस्त्र अपराधियों के दल ने गुरुवार की देर रात तेतुलमारी पी-एस्पी रोड मुहल्ला निवासी से वानिवृत्त बीसीसीएल कर्मी (माझिक अपराधी) की महतों के घर पर धूमधारा डाका डाला। छह से की संख्या में पूँचे डैकैतोंने पिस्टल व चाकू का भय दिखा कर लगाभग 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और एक लाख रुपए, नानां लट लिया। विंगों करने पर भी महतों के साथ जमकर अपराधी की ओर धूमधारा डाका डाला। छह से की संख्या में पूँचे डैकैतोंने निकली तो उनकी कनपटी पर पिस्टल सटा कर डैकैतोंने उन्हें आपेक्षा के में लिया।

106 डैकैतोंने बोला धावा, महिला को बंधक बना की लूटपाट 10 लाख के जेवरात व एक लाख रुपए नकद लूटे



घटना की जानकारी देते भूतभीमी व खिरा पड़ा सामान।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रात रात 12 बजे तक 12 बजे तक आवाज हुई तो महतों के घर की ओर धूमधारा डाका डाला। छह से की संख्या में पूँचे डैकैतोंने अपराधियों के घर की ओर धूमधारा डाका डाला। इसके बाद घर में लूटपाट की। घटना की जानकारी देते भूतभीमी व खिरा पड़ा सामान।

सप्ताह के अंत में अपने कब्जे में लिया।

इसका विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और अपराधियों से पूछने लगी कि आपलोग

कौन हैं।

इसी बीच अपराधियोंने उनकी पत्नी की कनपटी पर पिस्टल सटा दिया और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की। घटना के बाद घर में लूटपाट की।

सप्ताह के अंत में जिले के घरों में लूटपाट की गई।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर

पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और अपराधियों से पूछने लगी कि आपलोग

कौन हैं।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की। घटना के बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की गई। हो-हल्ला सुनकर बुरा रुहा और महतों की पत्नी जाग गई और दोनों को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद घर में लूटपाट की।

इसकी विरोध कर



जिले में गुरुवार की रात से हो रही झामाझम बारिश के बाद धनबाद-गोविंदपुर मुख्य मार्ग पर भरा पानी। अधिक पानी भरने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

भारी बारिश से सड़कें डूबीं, मोहल्ले जलमग्न

धनबाद में मूसलाधार बारिश से त्राहिमाम की स्थिति है। शहर के 20 से अधिक मोहल्ले में बारिश का पानी घुटने से ऊपर तक भर गया है। झारिया-कतरास, निरस, मैथन समेत जिले के हजारों घरों में पानी घुस गया। कई सड़कें, गलियां और मोहल्ले जलमग्न हो गए। किसी के बेडरूम तक तो किसी दुकान के गोदाम तक पानी भर गया है। लगातार हो रही बारिश की वजह से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

धनबाद, प्रमुख संचालन का स्थान।

मूसलाधार बारिश से धनबाद-

गोविंदपुर मुख्य सड़क पर भुजफोड़

चौक के समीप घुटने तक पानी भर

गया। इस बारिश में कई वाहन फेंस गए

और लोग जाम लग गया। छिले 24

घंटे में धनबाद में 75 मिलीमीटर बारिश

हुई है। गुरुवार की रात 11 बजे से

शुरू हुई बारिश शुक्रवार की रात तक

जारी रही। समाचार लिखे जाने तक

धनबाद में झामाझम बारिश हो रही थी।

बारिश ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

आठ लेन सड़क पर जाहाज आगे बढ़ा

गया। बारिश की वजह से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।



रानीबांध के समीप दुकानों में भर गया पानी

रानीबांध के समीप सड़क ऊंची रहने से बारिश का पानी भर गया। यहां राशन दुकान, दावाई दुकान में पानी भरने से लाखों रुपए के सामान बबांद हो गए। दिनभर दुकानदार पानी निकालने में परेशान रहे। यहां पर सड़क ऊंची करने से दुकानदारों का यह हाल है। रानीबांध में जलजमाव रोकने के लिए सड़क ऊंची कर दी गई है।



शहर की हांस विहार कॉलोनी में भरा बारिश का पानी।

एसएनएमएसमीएचके सर्जरीवार्ड में घुसा पानी

कई पोल टूटे, शहर में घंटों बिजली गुल

धनबाद, प्रमुख संचालन का स्थान।

मूसलाधार बारिश से धनबाद-

गोविंदपुर मुख्य सड़क पर भुजफोड़

चौक के समीप घुटने तक पानी भर

गया। गुरुवार की रात 11 बजे से

शुरू हुई बारिश शुक्रवार की रात तक

जारी रही। समाचार लिखे जाने तक

धनबाद में झामाझम बारिश हो रही थी।

बारिश ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे अधिक परेशान स्कूलों

कम्पोनेंटों के किया। बारिश की वजह से

जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाम लगाव की वजह से जन जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश

ने सबसे

बीसीसीएल में कोयला उत्पादन व डिस्पैच पर व्यापक असर, लोदना हाईस्कूल के पास गोफ बनने से दहशत

बारिश में गोफ से सहमा अग्नि प्रभावित क्षेत्र

धुएं की आगोश में कोलियरियां खदानों से मरीने उठानी पड़ी



धनबाद/झिरिया/निरसा, हिंदी। 11 कोयलांचल में फिल्टर 24 घंटे से लगातार भारी बारिश के कारण भूमिगत अग्नि प्रभावित क्षेत्र गोफ एवं गैस रिसाव से सहमा हुआ है। गैस रिसाव से बीसीसीएल के अग्नि प्रभावित क्षेत्र धुआं-धुआं है। लोदना हाईस्कूल के पास गोफ की घटना से लोग सहमे हुए हैं। तेज बारिश से गोफ एवं भू-धंसान का खतरा बना हुआ है।

इधर, बीसीसीएल को बारिश ने जोर की झटका दिया है। गुरुवार देर रात से ही कोयला उत्पादन एवं डिस्पैच प्रभावित है। बीसीसीएल के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शुकवार को उत्पादन एवं डिस्पैच लगभग ठप हो। अधिकारिक ऑफिस एक दिन बाद आये, जैसे 00 प्रतिशत तक उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। औपनकास्ट खदानों में पानी भरने एवं हाँड रोड में कीचड़ हो जाने से कोयला के उत्पादन एवं ड्रांसपोर्ट दोनों प्रभावित है। बारिश को देखते हुए, भूमिगत खदानों में कोयलाकर्मियों को नहीं जाने दिया गया। सिर्फ बीसीसीएल ही नहीं इंसीएल और सीसीएल में भी बारिश का व्यापक असर है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इंसीएल की निरस अग्निपथ शुकवार को अग्नि प्रभावित झिरिया के घनुडीह की दुग्धपुर बर्ती में घरों पर पास हो रहा गैस रिसाव।

इंसीएल-सीसीएल को भी झटका, मूगमा एरिया की खदानों में प्रभावित

बीसीसीएल सीवी एरिया में बना डायर्सर्सन टूटा और ट्रांसपोर्टिंग बाहूदात

दहीबाड़ी ओसीपी में पानी मरा, नदी में मोटर पंप इबा, अफसर और कर्मचारी परेशान

लोदना और बस्ताकोला क्षेत्र की खदानों में जलस्तर बढ़ा, इबूने का खतरा



एरिया तीन में उत्पादन हुआ आधा, ट्रांसपोर्टिंग प्रभावित

शुकवार की खदानों में उत्पादन पूरी तरह ठप हो। इस बाबत बीसीसीएल के निदेशक तकनीक संजय सिंह ने कहा कि बारिश से कामी परेशानी हुई है। कोयला उत्पादन एवं डिस्पैच पर असर पड़ा है। सुख्खा को लेकर नजर है। पतल की जानकारी ली जा रही है।

गोफ से सेफेद धुआं अनिकलना जारी है। लोदना प्रबंधन अभी तक घटनास्थल नहीं पहुंचा है। इसलिए लोगों में आक्रोश है। बताते हैं कि पिछले वर्ष भी दुग्धपुर के समीप एक बड़ा सा

कतरास। गोपिदूर पर एरिया तीन क्षेत्र की तीन न्यू आकाशकनारी कालियरी, ल्वॉक गार कोयिंगरी, महेश्वर कोयिंगरी की खदानों व परियोजनाओं में बारिश की वजह से उत्पादन कार्य आधा हो गया है। ट्रांसपोर्टिंग प्रभावित रही है, जिससे लालों का नुकसान पहुंचा है। बारिया तीन के जीएम जीसी साहा ने कहा दिसंस्क्रिप्शन के दृष्टिकोण से अपने अधीनस्थ अधिकारियों को अर्तत

कर दिया गया है। तीनों पाली में खदानों के अंदर कार्य हुआ है। जो हाँ से की ओर खतरे की आशंका है। प्रतिदिन 500 टन कोयला का उत्पादन की जगह 250 टन कोयला का उत्पादन हुआ है। बासमारा में ल्वॉक दो क्षेत्र की एरीओसीपी जीसी साहा ने कहा दिसंस्क्रिप्शन का उत्पादन के साथ ट्रांसपोर्टिंग कार्य बाधित है। वैसे प्रबंधन ने उत्पादन कार्य में लाली मशीनों को उत्पादन स्थल से बाहर निकाल कर

सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। इस संबंध में पीछे टीएस खोलन से पूछे जाने पर उद्दीपन बताया कि लगातार बारिश के कारण उत्पादन व ट्रांसपोर्टिंग कार्य प्रभावित हुआ है। खनन स्थल पर जमे बारिश के कारण जमा नानी निकालने के लिए तैयारी की जा रही है। वहाँ बरोड़ा क्षेत्र की एकीकृत मुरुडीह-फुलाटोडी कोयिंगरी के उत्पादन पर असर पड़ा है। परियोजनाओं में कीचड़ भर गया है।

गोफ बन गया था। गोफ बनने से अफरातफरी मच गई थी और प्रबंधन सक्रिय हुआ था। उसके बाद गोफ की भाँड़ कराई गई थी। कहा गया था कि कोई खतरे कि बाहर नहीं है, लेकिन फिर आचानक गोफ बन जाने से जामाल का खतरा बढ़ गया है। इधर, लोदना कोयिंगरी पीओ एक पांडेय ने कहा कि गोफ बनने की जानकारी नहीं है। अगर इस तरह की बात है तो गोफ की भाँड़ कराई जाएगी।

मुगमा में भी खनन नहीं: मूसलाधार बारिश से इंसीएल मुगमा क्षेत्र की भूमिगत खदानों का उत्पादन प्रभावित हुआ है। प्रबंधन सूत्रों ने बताया कि कोई खतरे कि बाहर नहीं है, लेकिन आचानक गोफ बन जाने से जामाल का खतरा बढ़ गया है। इधर, लोदना कोयिंगरी पीओ एक पांडेय ने कहा कि गोफ बनने की जानकारी नहीं है। अगर इस तरह की बात है तो गोफ की भाँड़ कराई जाएगी।

भारी बारिश के कारण झिरिया में बने गोफ से शुकवार को हो रहा गैस रिसाव।



कतरास में शुकवार को भारी बारिश के बीच हो रहा गैस रिसाव।

बीसीसीएल की विमिन्न परियोजनाओं में खतरा

झिरिया। बारिश ने बीसीसीएल की आउटसोर्सिंग और विभागीय परियोजनाओं पर खतरा बढ़ा दिया है। खदानों में पानी भरने से होने वाली पैंपिंग का कार्य भी प्रभावित हो गया है। बस्ताकोला क्षेत्र की अंदर कुहाड़ीया कोलीयरी की जीसी सीम खदान से मुहानों के ऊपर से पानी आने लगा।

आनन-फानन में खदान के नीचे पैंपिंग कार्य में लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाने लगा। इसमें अधिकतर खेती-परियोजनाओं के लिए जीसी सीम खदान के मुहानों से खेत में जाना आने लगा।

अनन-फानन में खदान के नीचे पैंपिंग कार्य में लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा। इसमें अधिकतर खेती-

परियोजनाओं के लिए जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली लोगों की अधिकारियों को अपने बोर्डर से खेत में जाना आने लगा।

बारिश होने से धरनेपानी के लिए भी अवसर आया है। खेतों में लोगों की बारिश के कारण जीसी सीम खदान के नीचे जाने से होने वाली

एक युद्ध की आशंका

पर्याप्त एशिया में एक बड़े युद्ध का तनाव इतना बढ़ गया है कि उसकी ओर भारत तक पहुंचने लगी है। यह गौर करने की बात है कि इजरायल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव के चलते ए अर्थात् इंडिया ने शुक्रवार को इजरायल के तेल अवीव से आने और जाने वाली अपनी सभी उड़ानों को 5 अगस्त तक के लिए ताकाल प्रभाव से निर्लिपित कर दिया है। क्या भारत सरकार को कोई खुफिया सूचना मिली है? क्या ईरान या इजरायल से चेतावनी आई है? एक हृद तक इन दोनों ही देशों से भारत के ठीकाटक कामकाजी संबंध हैं, अब: भारत के पास अगर युद्ध की पूर्व सूचना आई हो, तो आश्चर्य नहीं। अगर युद्ध की आशंका न हो, तो आशंका नहीं। अगर युद्ध की आशंका न हो, तो ए अर्थात् इंडिया के ताजा कदम को कैसे समझा जाए? ध्यान देने की बात है, फलस्तीन के नाम पर संघर्ष कर रहे आंतकी संगठन हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हनियेह की 31 जुलाई को ईरान में हत्या कर दी गई थी, जिसका आरोप सीधे इजरायल पर लगाया गया था। यह बात भी गौर करने की है कि ईरान ने हनियेह के खून का बदला लेने की कसम खाई है। ईरान की नाराजगी को इस बात से समझा जा सकता है कि ईरान में इजरायल की यह कोई पहली हिस्क कार्रवाई नहीं है।

वास्तव में, इजरायल ने अपने लोगों की हत्या का बदला लेने के लिए अभियान छेड़ रखा है। गुरुवार 1 अगस्त को ही इजरायली रक्षा बलों ने हमास के सैन्य प्रमुख मोहम्मद दैफ को मौत की पुष्टि की है, जिसे इजरायल 7 अक्टूबर के हमास के अंतर्राष्ट्रीय मानता है। आशंका है कि गाजा में ताजा जंग को हमास के इस सैन्य प्रमुख ने ही अंजाम दिया था। खबर आई है कि उसे गाजा में ही 13 जुलाई को मार दिया गया था। लगातार बदले से केवल ईरान ही नहीं, अन्य इस्लामी देशों में भी आक्रोश का आलम है। अब देशों के अलावा चीन और पाकिस्तान ने भी प्रमुखता से इजरायल की निंदा की है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामोहेह ने देशों में भी आक्रोश का आलम है। अब उस देशों के लिए एक बड़े सम्मेलन की जरूरत है। अब दुनिया जिस तरह से बढ़ती हुई है, उसमें भी युद्ध की आशंका को बल मिल रहा है। उसमें साफ कर दिया है कि हत्या का बदला लेना हमारा कर्तव्य है। इस बक्त न ईरान को कोई समझा पा रहा है और न इजरायल किसी की सुन रहा है।

जिस तरह से आक्रामक बयान दे रहे हैं, उसमें भी युद्ध की आशंका को बल मिल रहा है। उसमें साफ कर दिया है कि हत्या का बदला लेना हमारा कर्तव्य है। इस बक्त न ईरान को कोई समझा पा रहा है और न इजरायल किसी की सुन रहा है।

यह भी माना जा रहा है कि ईरान कोई बड़ा हमला न करे, पर अपनी साख को बचाने के लिए साकेतिक व सीमित हमले की कार्रवाई कर सकता है। अब यह कांडे नहीं जानता कि ईरान कहां पहले वार करेगा। हालांकि, इजरायल भी तैयार है। युद्ध न भड़के, इसकी कामना सहज ही की जा सकती है, पर यह इस दौर की बड़ी त्रासदी है कि अब संयुक्त राष्ट्र की ओर कोई नहीं सुन रहा है। क्या भारत जैसे देश अपना बचाव करने के साथ ही इस युद्ध रोकने के लिए कुछ कर सकते हैं? दरअसल, पश्चिम एशिया में शांति के लिए एक बड़े सम्मेलन की जरूरत है। अब दुनिया जिस तरह से बढ़ती हुई है, उसमें भी अपने अपने प्रयासों से एक खास सम्मेलन बुला सकता है। सुधार और समझाई की जरूरत इजरायल में भी है और ईरान में भी। सऊदी अरब अगर युद्ध नहीं चाहता, तो पर्याम एशिया में व्यापक शांति-वातां की पहल वह भी कर सकता है। इन देशों ने लगभग सदी भर से आपस में लड़ते हुए भारी कीमत चुकाई है। पता नहीं, कितनी जंगों के बाद ये अपन-चैन की राह चलेंगे?

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

03 अगस्त, 1949

हमारा खाद्य मोर्चा

जीवन के लिए आवश्यक भोजन के संबंध में आज हमारी स्थिति अच्छी नहीं है, यह अब असंदिग्ध हो गया है। दूध-थीं की बात तो अलग, अन की भी हमारे यहां कीमत है जिसके कारण विदेश से मुंहामग दामों पर हमें अन माना पड़ रहा है। जिसे दिली विनियम के इस संकट-काल में इससे हमारी अर्थनीति पर और भी बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा यह स्थिति स्वाभाविक भी नहीं है, क्योंकि अचानक कोई ऐसा कारण उपस्थित हो जाये कि विदेशों से अन न आ सके... तब भू खांखों में भर सकते हैं। अतः जलदी ही इस स्थिति को दूर करने की ओर हमारा जन गया और १९५१ तक ए तिथि के लिए आत्मनिर्भर होने का बाकर ने नियन्त्रण कर दिया, वह सर्वांग उचित है।

प्रान्तीय और सामाजिक खाद्यमंत्रियों के सम्मेलन में भारत के खाद्य और कृषि मंत्री श्री जयवर्ण मौल दौलतराम ने उपर्युक्त स्थिति का सिंहासनकरने करते हुए जो भाषण दिया वह संक्षेप में सारी बातें सामने ले दी है। गत वर्ष के सितंबर में खाद्यमंत्रियों का सम्मेलन हुआ था, तब से अब तक दो महीनोंपूर्व घटनाएं हुई हैं। पिछे भी नियन्त्रण लगाने के लिए भारत को यह भी नहीं है और ईरान में भी। सऊदी अरब अगर युद्ध नहीं चाहता, तो पर्याम एशिया में व्यापक शांति-वातां की पहल वह भी कर सकता है। इन देशों ने लगभग सदी भर से आपस में लड़ते हुए भारी कीमत चुकाई है। पता नहीं, कितनी जंगों के बाद ये अपन-चैन की राह चलेंगे।

जीवन के लिए आवश्यक भोजन के संबंध में आज हमारी स्थिति अच्छी नहीं है, यह अब असंदिग्ध हो गया है। दूध-थीं की बात तो अलग, अन की भी हमारे यहां कीमत है जिसके कारण विदेश से मुंहामग दामों पर हमें अन माना पड़ रहा है। जिसे दिली विनियम के इस संकट-काल में इससे हमारी अर्थनीति पर और भी बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा यह स्थिति स्वाभाविक भी नहीं है, क्योंकि अचानक कोई ऐसा कारण उपस्थित हो जाये कि विदेशों से अन न आ सके... तब भू खांखों में भर सकते हैं। अतः जलदी ही इस स्थिति को दूर करने की ओर हमारा जन गया और १९५१ तक ए तिथि के लिए आत्मनिर्भर होने का बाकर ने नियन्त्रण कर दिया, वह सर्वांग उचित है।

प्रान्तीय और सामाजिक खाद्यमंत्रियों के सम्मेलन में भारत के खाद्य और कृषि मंत्री श्री जयवर्ण मौल दौलतराम ने उपर्युक्त स्थिति का सिंहासनकरने करते हुए जो भाषण दिया वह संक्षेप में सारी बातें सामने ले दी है। गत वर्ष के सितंबर में खाद्यमंत्रियों का सम्मेलन हुआ था, तब से अब तक दो महीनोंपूर्व घटनाएं हुई हैं। पिछे भी नियन्त्रण लगाने के लिए भारत को यह भी नहीं है और ईरान में भी। सऊदी अरब अगर युद्ध नहीं चाहता, तो पर्याम एशिया में व्यापक शांति-वातां की पहल वह भी कर सकता है। इन देशों ने लगभग सदी भर से आपस में लड़ते हुए भारी कीमत चुकाई है। पता नहीं, कितनी जंगों के बाद ये अपन-चैन की राह चलेंगे।

जीवन के लिए आवश्यक भोजन के संबंध में आज हमारी स्थिति अच्छी नहीं है, यह अब असंदिग्ध हो गया है। दूध-थीं की बात तो अलग, अन की भी हमारे यहां कीमत है जिसके कारण विदेश से मुंहामग दामों पर हमें अन माना पड़ रहा है। जिसे दिली विनियम के इस संकट-काल में इससे हमारी अर्थनीति पर और भी बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा यह स्थिति स्वाभाविक भी नहीं है, क्योंकि अचानक कोई ऐसा कारण उपस्थित हो जाये कि विदेशों से अन न आ सके... तब भू खांखों में भर सकते हैं। अतः जलदी ही इस स्थिति को दूर करने की ओर हमारा जन गया और १९५१ तक ए तिथि के लिए आत्मनिर्भर होने का बाकर ने नियन्त्रण कर दिया, वह सर्वांग उचित है।

जीवन के लिए आवश्यक भोजन के संबंध में आज हमारी स्थिति अच्छी नहीं है, यह अब असंदिग्ध हो गया है। दूध-थीं की बात तो अलग, अन की भी हमारे यहां कीमत है जिसके कारण विदेश से मुंहामग दामों पर हमें अन माना पड़ रहा है। जिसे दिली विनियम के इस संकट-काल में इससे हमारी अर्थनीति पर और भी बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा यह स्थिति स्वाभाविक भी नहीं है, क्योंकि अचानक कोई ऐसा कारण उपस्थित हो जाये कि विदेशों से अन न आ सके... तब भू खांखों में भर सकते हैं। अतः जलदी ही इस स्थिति को दूर करने की ओर हमारा जन गया और १९५१ तक ए तिथि के लिए आत्मनिर्भर होने का बाकर ने नियन्त्रण कर दिया, वह सर्वांग उचित है।

जीवन के लिए आवश्यक भोजन के संबंध में आज हमारी स्थिति अच्छी नहीं है, यह अब असंदिग्ध हो गया है। दूध-थीं की बात तो अलग, अन की भी हमारे यहां कीमत है जिसके कारण विदेश से मुंहामग दामों पर हमें अन माना पड़ रहा है। जिसे दिली विनियम के इस संकट-काल में इससे हमारी अर्थनीति पर और भी बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा यह स्थिति स्वाभाविक भी नहीं है, क्योंकि अचानक कोई ऐसा कारण उपस्थित हो जाये कि विदेशों से अन न आ सके... तब भू खांखों में भर सकते हैं। अतः जलदी ही इस स्थिति को दूर करने की ओर हमारा जन गया और १९५१ तक ए तिथि के लिए आत्मनिर्भर होने का बाकर ने नियन्त्रण कर दिया, वह सर्वांग उचित है।

जीवन के लिए आवश्यक भोजन के संबंध में आज हमारी स्थिति अच्छी नहीं है, यह अब असंदिग्ध हो गया है। दूध-थीं की बात तो अलग, अन की भी हमारे यहां कीमत है जिसके कारण विदेश से मुंहामग दामों पर हमें अन माना पड़ रहा है। जिसे दिली विनियम के इस संकट-काल में इससे हमारी अर्थनीति पर और भी बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा यह स्थिति स्वाभाविक भी नहीं है, क्योंकि अचानक कोई ऐसा कारण उपस्थित हो जाये कि विदेशों से अन न आ सके... तब भू खांखों में भर सकते हैं। अतः जलदी ही इस स्थिति को दूर करने की ओर हमारा जन गया और १९५१ तक ए तिथि के लिए आत्मनिर्भर होने का बाकर ने नियन्त्रण कर दिया, वह सर्वांग उचित है।

जीवन के लिए आ



स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा

आजादी के 77 सालों में भारत ने स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। सटीक नीति और सतत कार्यान्वयन के साथ कई संक्रामक रोगों पर काबू पाया गया है और जन-जन के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया गया है। चुनौतियां अभी भी हैं, लेकिन देश इस क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। एक नजर

जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में बढ़ते कदम



राकेश दासगुप्ता
प्रोफेसर (सामुदायिक स्वास्थ्य), जेनर्न्यू

भारत संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्षणों का एक हस्ताक्षरकर्ता है, जिसने 2030 तक प्रति 100 अधिक जनन्म पर 70 से कम मृत्यु का वैश्वक मातृ मृत्यु दर अनुपात लक्ष्य स्थिरकर किया है। भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017, वर्ष 1983 और 2002 की पिछली राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति पर आधारित है और इसका लक्ष्य अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक सार्वजनिक पहुंच उपकरणों के लिए स्वास्थ्य और कल्पणा के उच्चतम संभव स्तर की प्राप्ति है। इसे स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाकर, गुणवत्ता में सुधार करके और स्वास्थ्य सेवा वितरण की लागत कम करके हासिल किया जाएगा। इसके प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं:

समयबद्ध तरीके से सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवहार का स्थान घेरलू उत्पाद के उपर स्वास्थ्य तक बढ़ाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयोग्य निवाश। इसके अलावा, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवहार के लिए वृद्धिशील संसाधनों के प्रति राज्यों को प्रोत्साहन। स्वास्थ्य लक्ष्यों को पूरा करने के उद्देश्य से केंद्रित कार्यक्रमों के लिए कार्योंपैकी सामाजिक उत्तराधिकारी के अधार पर सुधारात्मक उपायों।

राष्ट्रीय और उच्च-राष्ट्रीय स्तरों के अंतर-क्षेत्रीय सम्बन्ध से स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।

नीतियां बदलावों के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण का आयोजन।

पोलियो मुक्त 13 वर्ष

13 जनवरी, 2024 को भारत ने पोलियो मुक्त 13 वर्ष पूरे कर लिया। इसे वाइल्ड पोलियो वायरस से मुक्त होने का प्रामाण-पत्र मिला। वाइल्ड पोलियो वायरस के संचरण को समाप्त करने में केंद्र, राज्य और स्थानीय स्तर पर सरकार की प्रतिबद्धता और जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम संबंधी साझेयों के आधार पर सुधारात्मक उपायों का योगदान रहा।

सतत स्वास्थ्य के लक्ष्य

सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी 3) में स्वास्थ्य का लक्ष्य व्यापक है: 'सभी उम्र के लोगों के लिए

कुछ चुनौतियां भी

यह भी आशा की जाती है कि एमबीबीएस सीटों को व्यापक जनसांख्यिकी लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाकर विकित्सा क्षेत्र में लोकतंत्रीकरण बढ़ाने से ग्रामीण और विविध क्षेत्रों में अधिक विविध विकित्सा कार्यबल और बैंकर सेवा प्राप्त होंगी। साथ ही, भारत की डॉक्टर-कैंडिडे विकास लक्ष्य सेवा वितरण मॉडल से दूर जाने की ज़रूरत है।

कई रोगों पर पार्फेजिय

- 1979 में भारत सरकार ने देश के समैल पॉर्ट से मुक्त होने की घोषणा की।
- 1978 में एक घोषणा की गई कि टीका लगाकर इसे जानकारी देना जा सकता है।
- 2012 में गिनी वर्ष से देश के मुक्त होने की घोषणा की गई।
- 2014 भारत की पॉलियो मुक्त होने का प्रमाण-पत्र विश्व स्वास्थ्य सम्बन्ध ने दिया।
- 2006 में भारत को याज नाम की बीमारी से मुक्त घोषित किया गया।
- 2019 में एयरियन इंफल्यूंज़ा नाम की बीमारी से मुक्त घोषित किया गया।
- 2009 में भारत एक एन यान रायाइन प्लू का पहला केस मिला था।
- 1994 में भारत को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लेंग मुक्त घोषित किया।
- 03 दशकों से भारत में लैटोरासाईरोसिस नाम की बीमारी मौजूद है।
- 2016 में भारत में मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की शुरुआत की गई। 2030 तक इसे खत्म करने का लक्ष्य है।
- 2017 में भारत से ट्रैकोमा खम्ह होने की घोषणा की गई।
- 2025 में भारत से टीबी यानी ट्यूबरकुलोरोसिस के समाप्त होने की घोषणा की गई।
- 2025 में भारत से टीबी यानी ट्यूबरकुलोरोसिस के समाप्त होने की घोषणा की गई।

स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और उनकी बेहतरी को बढ़ावा देना।' सतत विकास रिपोर्ट 2024 में भारत ने कुल 64.00 अंक के साथ 109वें अंक हासिल की है।

कोरोना के बाद बदली तस्वीर

कोरोना महामारी के बाद वैश्वक स्वास्थ्य सुरक्षा सुचकांक में कहा गया है कि सभी देश भावधारी की महामारी के खतरों से निपटने के लिए तैयार नहीं हैं, जिसमें संभावित रूप से कोविड-19 से

बढ़ा मेडिकल टूरिज्म

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म बाजार में भारत का स्थान 12 वां है और एशिया प्रशास्त 10 शीर्ष वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन में भारत का 5वां स्थान है।

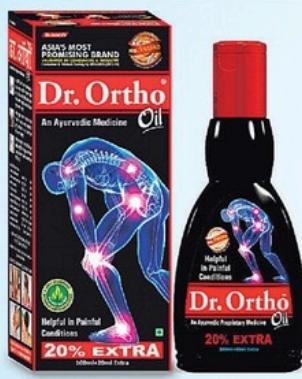
बीते वर्षों में भारत आगे मेडिकल टूरिज्म (लाख में)

(2023 के आंकड़े अक्टूबर तक)

मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स 2020-21 के अनुसार, भारत शीर्ष 46 देशों में 10 वें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 20 वेलनेस टूर



आपना बिजनेस



Dr. Juneja's
डा.ओर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

24x7 Helpline : 7876977777 • www.drorthooil.com



8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ओर्थो तेल जोड़ों के दर्द को

जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन

में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं अपितृ लंबे समय तक बना रहता है।

जोड़ों के दर्द
की बेंजोड़ दवा...Clinically Tested*
*For efficacy and safety.संपत्ति सौदों में
नकदी बढ़ेगी

आशंका

अन्यदेशों में दीर्घवधि
पूंजीगत कर

यूएसए

युद्ध पूंजीगत लाभ आय पर सामान्य दरों पर कर लगाया जाता है। इन्हाँ नहीं, 10-15% तक दीर्घकालिक लाभ कमाने पर कोई कर नहीं लिया जाता। हीं, 39.6% तक लाभ कमाने वालों पर 20% कर लिया जाता है।

उसके मुताबिक लोग कर बचाने के लिए उन्हें लेन-देन को लेकर तमाम स्तर पर सार्वतंत्र जा रहे हैं। अब भारतीय स्टेट बैंक ने अपने बजट विलेखण भी इस बात को लेकर आशंका जारी है कि इससे रियल एस्टेट बोर्ड में नकदी में लेन-देन बढ़ सकता है।



ऑस्ट्रेलिया

किसी सप्तिको पुनःविक्रय के उद्देश्य से बेचे जाने पर प्राप्त पूंजीगत लाभ पर कोई कर नहीं लगाया जाता। यहाँ पर कोई व्यापार उसे दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की श्रीमि में नहीं माना जाता।

नई व्यवस्था से निवेश को बढ़ावा दिलाकर एस्ट्रीमाई द्वारा दूसरे देशों के कर विशेषण से प्रता चलता है कि भारत में बाकी देशों के मुकाबले लोगों पर करों का बोझ काफी है।

रिकॉर्ड 7.28 करोड़
आयकररिटर्न दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर

विभाग ने शुक्रवार को कहा कि 31 जुलाई की निर्धारित समयसीका तक रिकॉर्ड 7.28 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है।

कर विभाग ने एक बायान में कहा कि आयकर वर्ष 2024-25 के लिए रिकॉर्ड 7.28 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, 2024 थी।

इसमें से 43.82 प्रतिशत से

अधिक आईटीआर एफाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध औनलाइन आईटीआर का उपयोग करके दाखिल किए गए हैं और बाकी ऑफलाइन आईटीआर का उपयोग करके दाखिल किए गए हैं।

पिछले साल 6.77 करोड़

आईटीआर दाखिल किए गए थे। इस

प्रकार, लगभग 72 प्रतिशत

करदाताओं ने नई कर व्यवस्था को चुना है, जबकि 28 प्रतिशत करदाताओं पूरानी कर व्यवस्था में बदल हुए हैं। बेतवाहारी करदाताओं और अन्य गैर-कर लेखा परीक्षा मामलों के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, 2024 थी।

इसमें से 43.82 प्रतिशत से

अधिक आईटीआर एफाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध औनलाइन आईटीआर का उपयोग करके दाखिल किए गए हैं और बाकी ऑफलाइन आईटीआर का उपयोग करके दाखिल किए गए हैं।

पिछले साल 6.77 करोड़

आईटीआर दाखिल किए गए थे। इस

प्रकार, लगभग 72 प्रतिशत

अमेरिकी मंदी की आहट
से सेंसेक्स-निपटी धड़ाम

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के

निराशाजनक आंकड़ों से

अर्थव्यवस्था की संभावित मंदी से सहमे विश्व बाजार के नकारात्मक

रुझान के दबाव में शुक्रवार शेयर

बाजारों में भूचाल आ गया।

घेरलू शेयर और भूचाल के कारण अमेरिका के 4.46

लाख करोड़ रुपये ड्रूब गए।

सेंसेक्स-निपटी की पिछले लगातार

पांच दिनों से तेजी थम गई। पिछले

पांच दिनों से नियांती के दौरान सहम गए। भारतीय बाजार सरक्से से अमेरिकी

देशों के बाजार सहम गए। भारतीय बाजार सरक्से की तुलना में शुक्रवार शेयर

सेंसेक्स 885.60 अंक फिसलकर

80,981.95 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह

998.64 अंक गिरकर

80,868.91 अंक तक आ गया

था। निपटी भी 293.20 अंक

गिरकर 24,717.70 अंक पर बंद

हुआ।

घेरलू शेयर और भूचाल के कारण अमेरिका के 4.46

लाख करोड़ रुपये ड्रूब गए।

सेंसेक्स-निपटी की पिछले लगातार

पांच दिनों से तेजी थम गई। पिछले

पांच दिनों से नियांती के दौरान

सेंसेक्स 885.60 अंक फिसलकर

80,981.95 अंक पर बंद हुआ।

वाजार 30s

कमोडिटी

भाव (रुपी) बदलाव

65,500 -300

चांदी 86,000 -2000

रुपी \$ कमोडिटी

83.73 +00.05

इन्फोसिस का जीएसटी नोटिस वापस

नई दिल्ली। जीएसटी के कर्नटक प्राधिकरण ने इन्फोसिस को भेजा गया

लगभग 32,400 करोड़ रुपये की मात्रा वापस ले

लिया है। इसके साथ ही कर्नटक प्राधिकरण ने आईटी कंपनी को निर्देश दिया है

कि वह इस मरम्मत पर जीएसटी आसूचना महानिदेशाल को एक नया जवाब दे।

आरबीआई के निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी।

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन 10 अगस्त को भारतीय

संघोंवाले के द्वारा जीएसटी के बारे में जीएसटी

अंकों के बारे में जीएसटी के बारे में जीएसटी

आरबीआई के निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी।

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन 10 अगस्त को भारतीय

संघोंवाले के द्वारा जीएसटी के बारे में जीएसटी

अंकों के बारे में जीएसटी के बारे में जीएसटी

आरबीआई के निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी।

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन 10 अगस्त को भारतीय

संघोंवाले के द्वारा जीएसटी के बारे में जीएसटी

अंकों के बारे में जीएसटी के बारे में जीएसटी

आरबीआई के निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी।

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन 10 अगस्त को भारतीय

संघोंवाले के द्वारा जीएसटी के बारे में जीएसटी

अंकों के बारे में जीएसटी के बारे में जीएसटी

आरबीआई के निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी।

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन 10 अगस्त को भारतीय

संघोंवाले के द्वारा जीएसटी के बारे में जीएसटी

अंकों के बारे में जीएसटी के बारे में जीएसटी

आरबीआई के निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी।

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन 10 अगस्त को भारतीय

संघोंवाले के द्वारा जीएसटी के बारे में जीएसटी

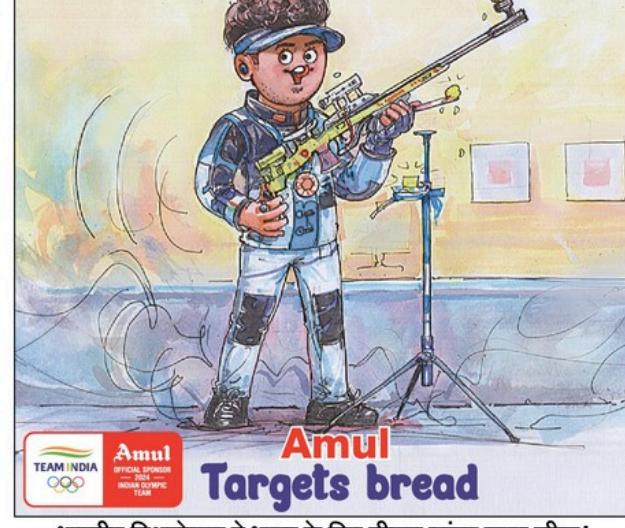
अंकों के बारे में जीएसटी के बारे में जीएसटी

आरबीआई के निदेशक मंडल को संबोधित करेंगी।

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन 10 अगस्त को भारतीय

संघोंवाले के द्वारा जीएसटी के बारे में जीएसटी

अंकों के बारे में जीएसटी के बारे में जीएसटी



भारतीय निशानेबाज ने भारत के लिए तीसरा कांस्य पदक जीता!

अगली महामारी की वजह बन सकते हैं इंप्लूएंजा, मंकीपॉक्स

सेहत

बचाव के लिए उपाय पर जोर : विश्व स्वास्थ्य संगठन की और महामारी की अर्थेपॉक्स, चिकनगुनिया जैसे वायरस से होनेवाले रोग अगले महामारी की वजह बन सकते हैं। भारत सहित दुनियाभर के 50 देशों के 200 से अधिक वैज्ञानिकों ने 28 वायरस परिवारों और वैज्ञानिकों के 1652 रोगानकों की वजह बन की है जो महामारी का रूपानक जोर देने की ज़रूरत है। दक्षिण एशिया के देशों में अल्फाइप्लूएंजा एच1 से एच10, और मंकीपॉक्स, अल्फावायरस चिकनगुनिया से अधिक खतरा है।

बचाव के लिए उपाय पर जोर : विश्व स्वास्थ्य संगठन की अर्थेपॉक्स, चिकनगुनिया जैसे वायरस से होनेवाले रोग अगले महामारी की वजह बन सकते हैं। भारत सहित दुनियाभर के 50 देशों के 200 से अधिक वैज्ञानिकों ने 28 वायरस परिवारों और वैज्ञानिकों के 1652 रोगानकों की वजह बन की है जो महामारी का रूपानक जोर देने की ज़रूरत है। दक्षिण एशिया के देशों में अल्फाइप्लूएंजा एच1 से एच10, और मंकीपॉक्स, अल्फावायरस चिकनगुनिया से अधिक खतरा है।

दक्षिण एशिया में इनसे खतरा : अल्फावायरस में दुनियाभर में महामारी की वैयाचीर पर आयोजित सम्मेलन में महामारी के लिए डल्पूपॉक्स और वायरस एवं अनुसंधान ने यह रिपोर्ट जारी की। वैज्ञानिकों ने कहा है कि मनुष्यों को संक्रमित करने वाले वैज्ञानिकों के पूरे परिवर्तों से निपटने के लिए अनुसंधान पर व्यापक जोर देने की उपलब्धता पर वर्तमान में भौजुर्ग जानकारी की व्याधि में रखकर बनाई जा रही है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि मनुष्यों को संक्रमित करने वाले वैज्ञानिकों के पूरे परिवर्तों से निपटने के लिए अनुसंधान पर व्यापक जोर देने की उपलब्धता पर वर्तमान में भौजुर्ग जानकारी की व्याधि में रखकर बनाई जा रही है।

बच्चों की कमी से चीन में स्कूल हो रहे बंद

2020 के बाद से गिरावट

बीजिंग, एजेंसी। कहीं आबादी इतनी बढ़ रही है कि उनके रहने तक को जमीन नहीं और कहीं इतनी कम हो रही कि स्कूल में पढ़ने के बच्चे तक नहीं आ रहे। चीन में इसके नीतीजतन स्कूलों को बंद करने तक की नीतवत आ गई है। घटती जन्म दर का सामाना मनोवैज्ञानिकों द्वारा बढ़ावा देने के स्कूलों में पढ़ने के बच्चों की कमी हो गई। बोरोजारी के बालात : साउथ चाडना बार्निंग पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश के कई प्रांतों में टीचर की नियुक्ति रोक दी गई है क्योंकि उनसे पढ़ने के लिए छात्र ही नहीं हैं। टीचर की नीतीजतन भी सोचने के बालों को स्कूलों को तो बंद किया ही गया। साथ ही बच्चों के नामांकन में भी पिछले साल की तुलना में गिरावट देखी गई।



तकनीक 30's

आईओएस के लिए एनिमेटेड इमोजी

मेटा के स्वामित वाली इंटर्नेशनल मैसेजिंग लेटरफॉर्म हालूसेपैप लैंड समय से एनिमेटेड इमोजी फोन पर काम कर रही है। कुछ दिन पहले कंपनी ने इसे एडोयॉर के कुछ बीता खूबसूर के लिए पेश करना शुरू किया था।



मैसेजिंग ऐ अब आपने आईओएस युजर्स के लिए भी एनिमेटेड इमोजी फोन रोल आउट कर रखी है। इटासपैप के एनिमेटेड इमोजी के लिए ऐसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं। कंपन कुछ इमोजी की ही एमिशन के साथ डिजाइन किया गया है।

पांच रंगों में आगा आईफोन 16

ऐप्ल अगले माह सितंबर में अपने नए आईफोन लॉन्च करने वाला है। लेकिन इससे पहले ही इस फोन के विभिन्न रंगों के वीरेंट का खुलासा हो गया। आईफोन 16 घोषणा में आ रहा है। सोशल मीडिया पैट्रॉन कंपनी में एक रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 16 में री-इंजीन के लिए वापसी के लिए व्हायरल हो रही है।

आईफोन 16 में री-इंजीन केरेस वापसी के लिए व्हायरल हो रही है।

अलाइन लैंस होंगे। इसके अलावा इसका बैक फैल में फिलिंश वाला होगा।

मेटा ने लॉन्च किया ओपन एआई मॉडल

फेसबुक की भूल कंपनी मेटा ने बड़े एआई मॉडल का एक नया संग्रह जारी किया। मार्क जुकरबर्ग की सोशल मीडिया कंपनी ने अब तक का सबसे पारफुल ऑपन सोसी एआई मॉडल लामा 3.1 हो गया। आईफोन 16 घोषणा में आ रहा है। सोशल मीडिया पैट्रॉन कंपनी मेटा के लिए एसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं। कंपन कुछ इमोजी की ही एमिशन के साथ डिजाइन किया गया है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन ऑनर मैजिक 6 प्रो को लॉन्च किया गया है। ऑनर मैजिक 6 प्रो 6.8 इंच की ओरिंडी स्क्रीन के साथ आता है। कंपनी का दावा है कि यह फोन -20 डिग्री सेलिंसियस तक के तापमान में भी काम कर सकता है। यह हैंडसेट बेहतर प्रदर्शन के लिए व्हालोकॉम के स्पेशलीन 8 जिम्मेदारी से लैस है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन

ऑनर मैजिक 6 प्रो को लॉन्च किया गया है।

इसके लिए एसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं।

जिम्मेदारी के लिए व्हायरल हो रही है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन

ऑनर मैजिक 6 प्रो को लॉन्च किया गया है।

इसके लिए एसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं।

जिम्मेदारी के लिए व्हायरल हो रही है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन

ऑनर मैजिक 6 प्रो को लॉन्च किया गया है।

इसके लिए एसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं।

जिम्मेदारी के लिए व्हायरल हो रही है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन

ऑनर मैजिक 6 प्रो को लॉन्च किया गया है।

इसके लिए एसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं।

जिम्मेदारी के लिए व्हायरल हो रही है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन

ऑनर मैजिक 6 प्रो को लॉन्च किया गया है।

इसके लिए एसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं।

जिम्मेदारी के लिए व्हायरल हो रही है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन

ऑनर मैजिक 6 प्रो को लॉन्च किया गया है।

इसके लिए एसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं।

जिम्मेदारी के लिए व्हायरल हो रही है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन

ऑनर मैजिक 6 प्रो को लॉन्च किया गया है।

इसके लिए एसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं।

जिम्मेदारी के लिए व्हायरल हो रही है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन

ऑनर मैजिक 6 प्रो को लॉन्च किया गया है।

इसके लिए एसे स्टोर से लोटेस्ट ऐप इंटर्नेल कर सकते हैं।

जिम्मेदारी के लिए व्हायरल हो रही है।

भारत में ऑनर मैजिक 6 प्रो लॉन्च

चीन की स्टार्टुप बनाने वाली कंपनी ऑनर ने भारत में अपने प्लैगशिप फोन